इस प्रश्न–पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Sl. No. **00316**

Roll No. / अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. / कोड नं. **60/OSS/1**

Set /सेट **A**

HINDI

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ____________________

2. ____________________

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।

2. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।

3. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा ।

4. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **60 /OSS/1-Set-A** लिखें ।

HINDI

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश: (i) इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' ।

(ii) खण्ड 'क' के सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से केवल एक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' अथवा खण्ड 'ग' 15 अंकों का है ।

खण्ड – 'क'

1. क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **[4]**

प्रभुजी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग–अंग बास समानी।

प्रभुजी तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।

प्रभुजी तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन–राती।

प्रभुजी तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सोहागा।

प्रभुजी तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा।।

अथवा

जीवन में आज के

लेखक की कठिनाई यह नहीं कि

कमी है विषयों की

वरन् यह कि आधिक्य उनका ही

उसको सताता है

और, वह ठीक चुनाव कर नहीं पाता हैं।

ख) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : [2]

कहलाने एकत बसत, अहि, मयुर, मृग, बाघ।

जगत तपोवन सौ कियौ, दीरघ–दाघ, निदाघ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 35-35 शब्दों में दीजिए : [2 + 2 = 4]

क) ''भरत का भ्रातृप्रेम'' कविता के आधार पर बताइए कि भरत जब बोलने के लिए खड़े हो जाते हैं, तो उनकी आँखें क्यों डबडबा जाती हैं?

ख) ''मैं नीर भरी दु:ख की बदली'' कविता में ''परिचय इतना इतिहास यही'' से महादेवी वर्मा जी का क्या तात्पर्य है?

ग) कठपुतली बना मनुष्य दूसरों को भी कठपुतली बनाना क्यों चाहता है?

3. सुफ़ी काव्य अथवा संत काव्य की दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

4. ''परशुराम के उपदेश'' अथवा ''वह तोड़ती पत्थर'' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग 35-35 शब्दों में लिखिए। [2]

5. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में निहित छंद और रस का नाम लिखिए : [1 + 1 = 2]

यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय।

बैर, प्रीती, अभ्यास, जस, होत होत ही होय।।

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [4]

साधारणत: परीक्षा में भी ऐसे बालकों को लेखक देने का प्रावधान है पर डॉ. रघुवंश ने अपनी सूझ–बूझ से ऐसी पद्धति विकसित कर ली थी जो प्राय: देखने को नहीं मिलती है। इस पद्धति से उन्होंने सारी परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं।

अथवा

आज अनुराधा समस्त प्रश्नों से मुक्त है। यह युद्धभूमि है और ''अनु'' संघर्ष के लिए सन्नद्ध है। मेरे इस स्वाभाविक युद्ध में अब मेरे आड़े कुछ नहीं आएगा – न संस्कार, न मोह, न संबंध, न ...। यदि शालीन रहकर अनुराधा संघर्ष कर सकी तो अत्युत्तम, अन्यथा वह भी त्याग देगी। यह युद्ध तो अब हर हाल में अनवरत चलेगा।

7. पठित पाठ के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल अथवा कन्हैया लाल मिश्र ''प्रभाकर'' की भाषा–शैली की दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-50 शब्दों में दीजिए : [3 + 3 = 6]

क) पुरानी पीढ़ी के लोग नई पीढ़ी को आगे क्यों नहीं आने देते? ''पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ'' पाठ के आधार पर अपने उत्तर दीजिए।

ख) सागर तट से अपने होटल लौटते समय लेखक को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा? ''आखिरी चट्टान'' पाठ के आधार पर अपने उत्तर दीजिए।

ग) दो कलाकार पाठ के आधार पर बताइए कि क्या अरुणा को भी ''कलाकार'' कहा जाना चाहिए? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

9. क) आप कैसे कह सकते हैं कि ''धर्म के प्रति दृढ़ आस्था और देवी–देवता में विश्वास'' बुंदेलखंड की संस्कृति के प्रमुख अंग हैं? [3]

अथवा

''विराटा की पद्मिनी'' उपन्यास का क्या उद्देश्य है?

ख) ''अलीमर्दान'' के चरित्र की तीन विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [3]

10. क) नायक सिंह ने देवी सिंह को क्या वचन दिया? [1]

ख) देवी सिंह ने गोमती को अपनाने के प्रस्ताव पर क्या उत्तर दिया? [1]

11. निम्नलिखित कविता को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कोलाहल हो, या सन्नाटा, कविता सदा सृजन करती हैं,
जब भी आँसू हुआ पराजित, कविता सदा जंग लड़ती है।
जब भी कर्ता हुआ अकर्ता,
कविता ने जीना सिखलाया।
यात्राएँ जब मंद हो गई; कविता ने चलना सिखाया।
जब भी तम का
जुल्म बढ़ा है, कविता नया सूर्य गढ़ती है।
जब गीतों की फ़सलें लुटते
शील हरण होता कलियों का,
शब्दहीन जब हुई चेतना

तब तब चैन लूटा गलियों का

जब कुर्सी का

कंस गरजता, कविता स्वयं कृष्ण बनती है।

अपने भी हो गए पराए

क्यों झूठे अनुबंध हो गए

घर में ही बनवास हो रहा

यूँ गूँगे संबंध हो गए।

क) कविता की प्रवृत्ति किस तरह की बताई गई है? **[1]**

ख) कविता मनुष्य को कब जीना सिखाती है? **[1]**

ग) कविता लगातार संघर्ष करने की प्रेरणा देती है – ऐसा किस पंक्ति में कहा गया है? **[1]**

घ) कविता ने लोगों को कब प्रेरित किया और कैसे? **[1]**

ड़) संबंधों में दूरियाँ आ जाने का परिणाम आज किस रूप में भुगतना पड़ रहा है? **[1]**

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यदि यह वर्ष चैप्लिन की जन्मशती का न होता तो भी चैप्लिन के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण वर्ष होता क्योंकि आज उनकी पहली फ़िल्म ''मेकिंग ए लिविंग'' के 75 वर्ष पूरे होते हैं। पौन शताब्दी से चैप्लिन की कला दुनिया के सामने है और पाँच पीढ़ियों को मुग्ध कर चुकी है। समय, भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं से खिलवाड़ करता हुआ चार्ली आज भारत के लाखों बच्चों को हँसा रहा है, जो उसे अपने बुढ़ापे तक याद रखेंगे। पश्चिम में तो बार–बार चार्ली का पुनर्जीवन होता ही है, विकासशील दुनिया में जैसे–जैसे टेलीवीजन और वीडियो का प्रसार हो रहा है, एक बहुत बड़ा दर्शक वर्ग नए सिरे से चार्ली को घड़ी ''सुधारते'' या जूते ''खाने'' की कोशिश करते हुए देख रहा है। चैप्लिन की ऐसी कुछ फ़िल्में या इस्तेमाल न की गईं रीलें भी मिली हैं जिनके बारे में कोई जानता न था। अभी चैप्लिन पर करीब 50 वर्षों तक काफ़ी कुछ कहा जाएगा। चैप्लिन की फ़िल्में भावनाओं पर टिकी हुई हैं, बुद्धि पर नहीं। चैप्लिन का चमत्कार यही है कि उनकी फ़िल्मों को पागलखाने के मरीजों, विकल मस्तिष्क लोगों से लेकर आइन्सटाइन जैसे महान प्रतिभा वाले व्यक्ति तक कहीं एक स्तर पर और कहीं सूक्ष्मतम रसास्वादन के साथ देख सकते हैं।

क) चार्ली के जन्मशती का वर्ष महत्त्वपूर्ण क्यों है? **[2]**

ख) भारत में चार्ली की क्या स्थिति है? **[2]**

ग) विकासशील देशों में चार्ली की लोकप्रियता के क्या कारण हैं? **[2]**

घ) लेखक ने यह क्यों कहा कि चैप्लिन पर करीब 50 वर्षों तक काफ़ी कुछ कहा जाएगा? **[2]**

ङ) चार्ली की फ़िल्मों के दर्शक कैसे हैं? **[2]**

च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए? **[1]**

13. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : **[5 × 1 = 5]**

क) मिश्र वाक्य में बदलिए –
बादल छाने पर मन खुश हो जाता है।

ख) वाक्य शुद्ध कीजिए –
एक चाय का गरम गिलास पीते जाइए।

ग) उपयुक्त विराम–चिह्न लगाइए –
वाह कितना सुंदर दृश्य है

घ) रचनानुसार वाक्य भेद बताइए –
उन लोगों ने अपना काम पूरा कर लिया।

ङ) 'हवा में गाँठ लगाना' अथवा 'एक अनार सौ बीमार' मुहावरे का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक का भाव–पल्लवन कीजिए : **[3]**

क) सबसे बड़ा उपकार

ख) बुरा जो देखन मैं चला

15. प्रतिवेदन की उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। **[3]**

अथवा

फाइल पर टिप्पण लेखन की क्या पद्धति है?

16. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग एक तिहाई शब्दों में लिखिए और एक शीर्षक भी दीजिए :**[3 + 1 = 4]**

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिलाकर हँस उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला–कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। हँसी–खुशी का नाम ही तो जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है – ''ज़िंदगी ज़िंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं।'' एक अंग्रेज़ डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई से लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है। हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता।

17. परीक्षा हाल में पहूँचे तो पता चला कि प्रवेश–पत्र घर पर ही रहा गया, आप को कैसा लगा? अपने अनुभव को संक्षेप में लिखिए। [2]

18. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए – [4]

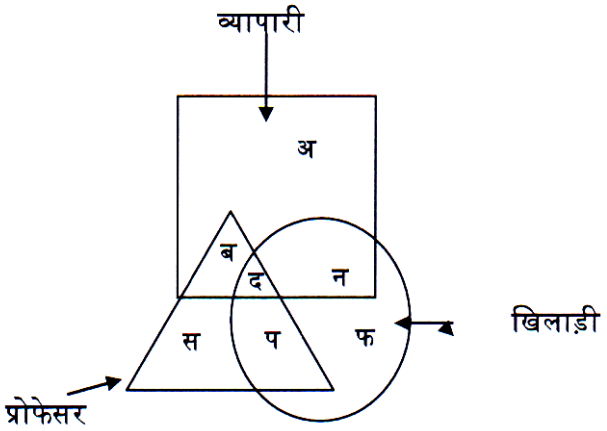

क) व्यापारी जो खिलाड़ी है किंतु प्रोफ़ेसर नहीं।

ख) प्रोफ़ेसर जो खिलाड़ी है लेकिन व्यापारी नहीं।

ग) प्रोफ़ेसर जो खिलाड़ी भी है तथा व्यापारी भी।

घ) प्रोफ़ेसर जो व्यापारी है लेकिन खिलाड़ी नहीं।

19. दिन–प्रतिदिन बढ़ती महँगाई के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। [4]

20. निम्नलिखित में से <u>किसी एक विषय</u> पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : [8]

क) पर्यावरण प्रदूषण

ख) पुस्तकों का महत्त्व

ग) करत–करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

घ) इंटरनेट संचार का शक्तिशाली माध्यम।

खण्ड – 'ख'

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए : **[1]**

फ़ीचर, पीत–पत्रकारिता, स्ट्रिंजर

22. मीडिया से क्या तात्पर्य है? यह किस प्रकार लोगों को जागरूक बनाने में उपयोगी है? **[3]**

23. क) उपग्रह क्या है? इसकी क्या उपयोगिता है? **[2]**

ख) फैक्स क्या है? इसकी कार्यप्रणाली को समझाइए। **[2]**

24. समाचारों का चुनाव करते समय किन बातों को ध्यान में रखा जाता है? **[3]**

25. क) रेडियो एवं दूरदर्शन की भाषा में क्या अंतर होता है स्पष्ट कीजिए। **[2]**

ख) सूचनाओं के आदान–प्रदान में मोबाइल की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। **[2]**

खण्ड – 'ग'

(विज्ञान की भाषा – हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के अर्थ स्पष्ट कीजिए। **[1]**

ऊर्जा धमनी अमोनिया।

22. क) विज्ञान और अंधविश्वास में क्या अंतर है? अंधविश्वासी कैसे अपना अहित कर बैठते हैं? **[2]**

ख) महर्षि चरक कौन थे। उनकी प्रसिद्धि के क्या कारण हैं? **[2]**

23. जनसंख्या वृद्धि के कौन–कौन से प्रमुख कारण हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। **[4]**

अथवा

प्राकृतिक संसाधनों का मनुष्य ने किन क्षेत्रों में दोहन आरंभ किया?

24. कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करना सरल है। कुछ हिन्दी साफ़्टवेयरों का उल्लेख कर इस कथन की पुष्टि कीजिए। **[3]**

25. विज्ञान की भाषा अन्य विषय क्षेत्रों की भाषा से किस प्रकार भिन्न है? **[3]**

● ● ●